15.06.2021

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के नये परिसर का लोकार्पण

- संस्कृति, पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने किया लोकार्पण
- आवंटित भूमि के समीप पहुंचा विश्वविद्यालय

संस्कृति, पर्यटन एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने आज सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के सांची स्थित नवीन परिसर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि वैदिक और बौद्ध के सुंदर समन्वय से बने विश्वविद्यालय से पूरे विश्व को अपेक्षाएं है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का ध्वजवाहक बन सांची विवि 21वीं सदी में भारत को विश्वगुरु बनाने के प्रयास में भूमिका निभा सकता है।

इस अवसर पर मंत्री महोदय ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को पढ़ने आने वाले हर छात्र से 5 पौधे लगाने एवं पढ़ाई पूर्ण करने तक उनको पालने का प्रयोग करना चाहिए। उषा ठाकुर जी ने शिक्षा में क्रांतिकारियों के जीवन वृत्त और उनके उद्देश्यों को शामिल करने का भी सुझाव दिया।

मंत्री महोदय का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा ए गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय शोध के सिरमौर संस्थान बनने की दिशा में अब तेज़ गति से बढ़ेगा। उन्होने मंत्री महोदय को आश्वासन दिया कि विवि अपनी गतिविधियों और शोध कार्यों से नए सोपान गढ़ेगा।

लोकार्पण अवसर पर मंत्री महोदय ने पौधा भी रोपा। अभी तक बारला स्थित किराये के भवन से संचालित हो रहा विश्वविद्यालय अब सांची स्थित पर्यटन विभाग के नये भवन से संचालित होगा। नई इमारत में विश्वविद्यालय प्रस्तावित स्थल पर निर्माण पूर्ण होने तक रहेगा। सांची स्थित यह परिसर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित परिसर के बिल्कुल समीप है। सांची में होने से यहां आने वाले पर्यटकों एवं अन्य लोगों को भी सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से संपर्क का मौका मिलेगा।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि भारत इस समय जिस कोरोना काल से गुज़र रहा है ऐसे समय में हमारी अहम ज़िम्मेदारी बनती है कि पूरी दुनिया को संस्कृति और सभ्यता दी जाए।

उन्होंने कहा कि ये समय खास तौर से पश्चिम के लोगों को भारत की ओर आकर्षित करने का है जब हम उन्हें सभ्यता और संस्कृति से वाकिफ करा सकतै हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विशेष रूप से शोध संस्थान खड़ा करने के लिए प्रयासरत है ताकि बौद्ध और भारतीय दर्शन पर आधारित विशिष्ट शोधों को बढ़ावा दिया जा सके। इससे पूरे विश्व को नया मार्गदर्शन मिलेगा।

डॉ नीरजा गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय एक अनूठा विश्वविद्यालय है जो कि बौद्ध और भारतीय दर्शन की शिक्षाओं को सम्मिश्रित कर शिक्षा प्रदाय करता है।

धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित करते हुए विवि के कुलसचिव व संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी ने कहा कि विश्वविद्यालय अब देश और विश्व में नए ज्ञआन का प्रसार करेगा। उन्होने सभी कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के नये परिसर का लोकार्पण

रायसेन। मंगलवार को संस्कृति पर्यटन एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के सांची स्थित नवीन परिसर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि वैदिक और बौद्ध के सुंदर समन्वय से बने विश्वविद्यालय से पूरे विश्व को अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का ध्वजवाहक बन सांची विवि 21वीं सदी में भारत को विश्वगुरु बनाने के प्रयास में भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने विश्वविद्यालय को पढ़ने आने वाले हर छात्र से 5 पौधे लगाने एवं पढ़ाई पूर्ण करने तक उनको पालने का प्रयोग करना चाहिए। उषा ठाकुर ने शिक्षा में क्रॉंतिकारियों के जीवन वृत्त और उनके उद्देश्यों को शामिल करने का भी सुझाव दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा ए गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय शोध के सिरमौर संस्थान बनने की दिशा में अब तेज़ गति से बढ़ेगा। उन्होने मंत्री जी को आश्वासन दिया कि विवि अपनी गतिविधियों और शोध कार्यों से

संस्कृति पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने किया लोकार्पण

आवंटित भूमि के समीप पहुंचा विश्वविद्यालय

नए सोपान गढ़ेगा।

नये परिसर में किया पौधरोपण:-

लोकार्पण अवसर पर मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने पौधरोपण किया। अभी तक बारला स्थित किराये के भवन से संचालित हो रहा विश्वविद्यालय अब सांची स्थित पर्यटन विभाग के नये भवन से संचालित होगा। नई इमारत में विश्वविद्यालय प्रस्तावित स्थल पर निर्माण पूर्ण होने तक रहेगा। सांची स्थित यह परिसर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित परिसर के बिल्कुल समीप है। सांची में होने से यहां आने वाले पर्यटकों एवं अन्य लोगों को भी सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से संपर्क का मौका मिलेगा।

दुनिया को संस्कृति और सभ्यता दी जाए:-

सांची बौद्ध. भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति

डॉ नीरजा गुप्ता ने कहा कि भारत इस समय जिस कोरोना काल से गुज़र रहा है ऐसे समय में हमारी अहम ज़िम्मेदारी बनती है कि पूरी दुनिया को संस्कृति और सभ्यता दी जाए। उन्होंने कहा कि ये समय खास तौर से पश्चिम के लोगों को भारत की ओर आकर्षित करने का है जब हम उन्हें सभ्यता और संस्कृति से वाकिफ करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विशेष रूप से शोध संस्थान खड़ा करने के लिए प्रयासरत है,वही विवि के कुलसचिव व संस्कृति संचालक अदिति कुमार त्रिपाठी ने कहा कि विश्वविद्यालय अब देश और विश्व में नए ज्ञआन का प्रसार करेगा। उन्होने सभी कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया।

Date: 16/06/2021, Page: 2, City: Bhopal
URL: epaper.rashtriyahindimail.in
राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दैनिक भास्कर
रायसेन 16-06-2021

लोकार्पण• भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के नये परिसर का लोकार्पण पर पर्यटन मंत्री उषा ठाकुर ने कहा-

विवि भारत को विश्वगुरु बनाने में भूमिका निभा सकता है

भास्कर संवाददाता | रायसेन

प्रदेश संस्कृति, पर्यटन एवं अध्यात्म मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने मंगलवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के सांची स्थित नवीन परिसर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री सुश्री ठाकुर ने कन्याओं के पैर पूजे ओर पोधरोपण कर कहा कि वैदिक और बौद्ध के सुंदर समन्वय से बने विश्वविद्यालय से पूरे विश्व को अपेक्षाएं है। नई शिक्षा नीति का ध्वजवाहक बन सांची विवि 21वीं सदी में भारत को विश्वगुरु बनाने के प्रयास में भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर संस्कृति मंत्री ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को पढ़ने आने वाले हर छात्र से 5 पौधे लगाने एवं पढ़ाई पूर्ण करने तक उनको पालने का प्रयोग करना चाहिए। उषा ठाकुर ने शिक्षा में क्रांतिकारियों के जीवन वृत्त और उनके उद्देश्यों को शामिल करने का भी सुझाव दिया।

विवि के परिसर में लगाया पौधा, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश : लोकार्पण अवसर पर संस्कृति मंत्री ने पौधा भी रोपा। अभी तक बारला स्थित किराए के भवन से संचालित हो रहा विश्वविद्यालय अब सांची स्थित पर्यटन विभाग के नए भवन से संचालित होगा। नई इमारत में विश्वविद्यालय प्रस्तावित स्थल पर निर्माण पूर्ण होने तक रहेगा। सांची स्थित यह परिसर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित परिसर के बिल्कुल समीप है। सांची में होने से यहां आने वाले पर्यटकों एवं अन्य लोगों को भी सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय से संपर्क का मौका मिलेगा।

बौद्ध विश्वविद्यालय का लोकार्पण कर संस्कृति मंत्री ने कन्याओं के पैर पूजे।

यह समय पश्चिम के लोगों को भारत की ओर आकर्षित करने का है: डॉ. गुप्ता : सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि भारत इस समय जिस कोरोना काल से गुजर रहा है, ऐसे समय में हमारी अहम जिम्मेदारी बनती है कि पूरी दुनिया को संस्कृति और सभ्यता दी जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विशेष रूप से शोध संस्थान खड़ा करने के लिए प्रयासरत है ताकि बौद्ध और भारतीय दर्शन पर आधारित विशिष्ट शोधों को बढ़ावा दिया जा सके।

21.06.2021

'प्रतिदिन करें योग तभी रहेंगे निरोग'

- **सांची स्तूप पर सांची विवि ने किया योग दिवस का आयोजन**
- **पीएम मोदी के कार्यक्रम में भी हुआ लाइव प्रसारण**
- **'मन, मस्तिष्क और शरीर से स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ '-कुलपति**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के योग विभाग के छात्रों ने सांची स्तूप पर योगाभ्यास कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सांची स्तूप के सामने योग के आसनों को प्रस्तुत किया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छात्रों ने पद्मानाभासन, भद्रासन, भुजंगासन, चक्रासन, हलासन, गोमुखासन, धनुरासन आदि का अभ्यास किया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन के दौरान दूरदर्शन पर भी किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ श्याम गनपत तिखे ने कहा कि प्रतिदिन योग करने से ही निरोग रहा जा सकता है।

सांची विश्वविद्यालय परिसर में हुए योग दिवस कार्यक्रम में शिक्षकों-छात्रों, अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता भी सम्मिलित हुईं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी नेमत निरोगी काया है। जब मन, मस्तिष्क और शरीर स्वस्थ होंगे तभी व्यक्ति को स्वस्थ कहा जा सकता है। उनका कहना था कि योग के माध्यम से ही मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। कुलपति डॉ गुप्ता ने कहा कि आनंद की अनुभूति पर बौद्ध गुरू दलाई लामा ने कहा था कि उचित श्वसन ही आनंद है और इस हिसाब से योग; सत्, चित्त और आनंद की प्राप्ति का अहम सूत्र है।

स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि वो पिछले 48 सालों से योग कर रही हैं और योग ने ही उन्हें मन, मस्तिष्क और शरीर से स्वस्थ रखा हुआ है क्योंकि उनका Tsh (टी.एस.एच) थाइराइड लेवल 16 रहता था लेकिन योग के ज़रिए ही उन्होंने इस संतुलन को पाया हुआ है। उनका कहना था कि यदि यह टी.एस.एच 6 से 8 के आसपास होता है तो व्यक्ति मोटापे से ग्रसित हो जाता है, लेकिन योग के कारण ही वे पूरी तरह स्वस्थ हैं।

कृपया कर उक्त समाचार को अपने माध्यमों पर उचित स्थान प्रदान करने का कष्ट करें। विज़ुअल व बाइट भी आपकी ओर Whatsapp पर प्रेषित किए जा रहे हैं। बाइट देने वालों के नाम-

बाइट- श्वेता नेमा, पी.एच.डी स्कॉलर , बाइट- श्रीमती सीमा नंदानी, गृहणी

बाइट- श्री ओ.पी पांडे, रिटायर्ड अधिकारी, बाइट- कु. रेणुका गौतम(बच्ची)

बाइट- डॉ. नीरजा गुप्ता, कुलपति, सांची विश्वविद्यालय(बादामी सलवार सूट में)

सांची स्तूप पर सांची विवि ने किया योग दिवस का आयोजन

7:02 pm or June 21, 2021

Post Views: 34

दीपक कांकर

रायसेन 21 जून ;अभी तक; सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के योग विभाग के छात्रों ने सांची स्तूप पर योगाभ्यास कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सांची स्तूप के सामने योग के आसनों को प्रस्तुत किया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छात्रों ने पद्मानाभासन, भद्रासन, भुजंगासन, चक्रासन, हलासन, गोमुखासन, धनुरासन आदि का अभ्यास किया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन के दौरान दूरदर्शन पर भी किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ श्याम गनपत तिखे ने कहा कि प्रतिदिन योग करने से ही निरोग रहा जा सकता है।

सांची विश्वविद्यालय परिसर में हुए योग दिवस कार्यक्रम में शिक्षकों-छात्रों, अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता भी सम्मिलित हुईं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी नेमत निरोगी काया है। जब मन, मस्तिष्क और शरीर स्वस्थ होंगे तभी व्यक्ति को स्वस्थ कहा जा सकता है। उनका कहना था कि योग के माध्यम से ही मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

कुलपति डॉ गुप्ता ने कहा कि आनंद की अनुभूति पर बौद्ध गुरू दलाई लामा ने कहा था कि उचित श्वसन ही आनंद है और इस हिसाब से योग; सत्, चित्त और आनंद की प्राप्ति का अहम सूत्र है।

स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि वो पिछले 48 सालों से योग कर रही हैं और योग ने ही उन्हें मन, मस्तिष्क और शरीर से स्वस्थ रखा हुआ है क्योंकि उनका Tsh (टी.एस.एच) थाइराइड लेवल 16 रहता था लेकिन योग के ज़रिए ही उन्होंने इस संतुलन को पाया हुआ है। उनका कहना था कि यदि यह टी.एस.एच 6 से 8 के आसपास होता है तो व्यक्ति मोटापे से ग्रसित हो जाता है, लेकिन योग के कारण ही वे पूरी तरह स्वस्थ हैं।

Share this:

सांची स्तूप पर सांची विवि ने किया योग दिवस का आयोजन,पीएम मोदी के कार्यक्रम में भी हुआ लाइव प्रसारण

Updated on 21 Jun, 2021 07:21 PM IST BY INDIACITYNEWS.COM

· 'मन, मस्तिष्क और शरीर से स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ '-कुलपति
सांची स्तूप पर सांची विवि ने किया योग दिवस का आयोजन

रायसेन।सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के योग विभाग के छात्रों ने सांची स्तूप पर योगाभ्यास कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सांची स्तूप के सामने योग के आसनों को प्रस्तुत किया।

केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छात्रों ने पद्मानाभासन, भद्रासन, भुजंगासन, चक्रासन, हलासन, गोमुखासन, धनुरासन आदि का अभ्यास किया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन के दौरान दूरदर्शन पर भी किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ श्याम गनपत तिखे ने कहा कि प्रतिदिन योग करने से ही निरोग रहा जा सकता है।

सांची विश्वविद्यालय परिसर में हुए योग दिवस कार्यक्रम में शिक्षकों-छात्रों, अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता भी सम्मिलित हुईं। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी नेमत निरोगी काया है। जब मन, मस्तिष्क और शरीर स्वस्थ होंगे तभी व्यक्ति को स्वस्थ कहा जा सकता है। उनका कहना था कि योग के माध्यम से ही मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। कुलपति डॉ गुप्ता ने कहा कि आनंद की अनुभूति पर बौद्ध गुरू दलाई लामा ने कहा था कि उचित श्वसन ही आनंद है और इस हिसाब से योग; सत्, चित्त और आनंद की प्राप्ति का अहम सूत्र है।

स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि वो पिछले 48 सालों से योग कर रही हैं और योग ने ही उन्हें मन, मस्तिष्क और शरीर से स्वस्थ रखा हुआ है क्योंकि उनका Tsh (टी.एस.एच) थाइराइड लेवल 16 रहता था लेकिन योग के ज़रिए ही उन्होंने इस संतुलन को पाया हुआ है। उनका कहना था कि यदि यह टी.एस.एच 6 से 8 के आसपास होता है तो व्यक्ति मोटापे से ग्रसित हो जाता है, लेकिन योग के कारण ही वे पूरी तरह स्वस्थ हैं।

न्यूज़ सोर्स : जनसम्पर्क विभाग साँची विश्वविद्यालय साँची

ताज़ा खबरें ज्यादा पढ़ी गईं

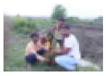
जन्मदिन पर पौधारोपण कर वैक्सीन के लिए प्रेरित किया

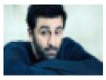
अमर सिंह चमकीला की बायोपिक नहीं कर रहे रणबीर कपूर

वेस्टइंडीज दौरे के लिए 26 सदस्यीय पाक महिला टीम घोषित , जावेरिया होंगी कप्तान

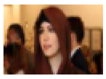
दुबई की शहजादी स्पेन में मना रही छुट्टियां

भारत बहुत जल्द 'वैक्सीन युक्त और कोरोना मुक्त' होगा: जेपी नड्डा

रातापानी अभ्यारण्य में फिर मिला तेंदुआ का शव, वन्य प्राणियों के जीवन पर जान पर संकट

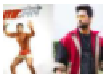
फ्लोर पर आई विक्की कौशल स्टारर 'मिस्टर लेले'

'राइट क्लिक'-रिकॉर्ड टीकाकरण की इस रफ्तार को स्थायी बनाना होगा...!-अजय बोकिल

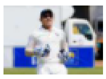
संगकारा और गिलक्रिस्ट हैं मेरे आदर्श : अनुज

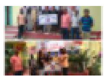
NSS वॉलिंटियर्स ने विश्वयोग दिवस पर मास्क बांटकर,वेक्सिनेशन के लिये प्रेरित और जागरूक किया

MP Info RSS Feed

Failed to load RSS Feed, Please try later.

28.06.2021

प्रेस विज्ञप्ति

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्माण को मध्य प्रदेश सरकार ने प्रशासकीय मंजूरी दे दी है। सांची विश्वविद्यालय को मध्य प्रदेश शासन ने रायसेन जिले में सांची स्तूप के नज़दीक 120 एकड़ जमीन आवंटित की थी उसी पर विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाना है। संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आदेश में उल्लेख किया गया है कि विश्वविद्यालय के भवन निर्माण और अधोसंरचना विकास के लिए प्रथम चरण में मध्यप्रदेश सरकार ने 48 करोड़ 18 लाख रुपये आवंटित कर दिए हैं। सांची विश्वविद्यालय का निर्माण मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम करेगा।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार की ओर से एक और सौगात सांची विश्वविद्यालय को प्रदाय की गई है। सांची विश्वविद्यालय की साधारण परिषद के अध्यक्षीय अनुमोदन के बाद मध्य प्रदेश सरकार द्वारा श्री समदोंग रिनपोचे को विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नियुक्त किया गया है।

श्री रिनपोचे पूर्व में भी 2014-15 के दौरान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रह चुके हैं। विश्वविद्यालय के सर्वप्रथम पाठ्यक्रम का शुभारंभ 5 जनवरी 2015 को श्री रिनपोचे द्वारा किया गया था।

श्री रिनपोचे बौद्ध धर्मगुरु हैं और निर्वासित तिब्बत के भारत में प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वे धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के बौद्ध मठ में निवास करते हैं।

प्रोफेसर व गुरू समदोंग रिनपोचे का नाम लोबसांग तेनजिन है। सम्मान प्रदान करते हुए उन्हें पदवी समदोंग रिनपोचे से सम्मानित किया गया है।

पत्रिका 09 पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 28 जून, 2021
रायसेन आसपास

निर्माण के लिए 48 करोड़ 18 लाख रुपए की स्वीकृति मिली

पर्यटन विकास निगम बनाएगा सांची विश्वविद्यालय भवन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रायसेन/सांची. सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के निर्माण को मध्य प्रदेश सरकार ने प्रशासकीय मंजूरी दे दी है। भवन का निर्माण पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। इसके लिए शासन ने 48 करोड़ 18 लाख रुपए की स्वीकृति दे दी है। जल्द ही यूनिवर्सिटी भवन का निर्माण शुरू होगा। विश्वविद्यालय के लिए मध्य प्रदेश शासन ने सांची से भोपाल रोड पर सलामतपुर के पास पहाड़ी पर 120 एकड़ जमीन दी है। यहां यूनिवर्सिटी निर्माण के लिए 2012 में श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति महेंद्र राजपक्षे द्वारा भूमिपूजन कर बोधि वृक्ष रोपा गया था। तब से ही भवन निर्माण का इंतजार था।2015 में यूनिवर्सिटी द्वारा बारला स्थित डा. गौरीशंकर शेजवार के भवन में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा था। लगभग 15 दिन पहले ही यूनिवर्सिटी को सांची में पर्यटन विकास निगम के एक भवन में शिफ्ट किया गया है।

सांची. यहां बनेगा यूनिवर्सिटी भवन।

भवन निर्माण के लिए संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आदेश में उल्लेख किया गया है कि विश्वविद्यालय के भवन निर्माण और अधोसंरचना विकास के लिए प्रथम चरण में मध्यप्रदेश सरकार ने 48 करोड़ 18 लाख रुपए आवंटित कर दिए हैं। सांची विश्वविद्यालय का निर्माण मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम करेगा। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

निरपोचे होंगे कुलाधिपति

प्रदेश सरकार की ओर से एक और सौगात सांची विश्वविद्यालय को दी गई है। विश्वविद्यालय की साधारण परिषद के अध्यक्षीय अनुमोदन के बाद समदोंग रिनपोचे को विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नियुक्त किया गया है। रिनपोचे 2014-15 के दौरान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रह चुके हैं। विश्वविद्यालय के सर्वप्रथम पाठ्यक्रम का शुभारंभ 5 जनवरी 2015 को रिनपोचे द्वारा किया गया था।

प्रेस विज्ञप्ति 29.06.2021

सांची विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच MoU

*शोध, शोध प्रविधि और नवाचारी तकनीक पर होगा काम पीएचडी, स्नातकोत्तर में भारतीय शोध प्रविधियों के उन्नयन पर काम

*सांची विश्वविद्यालय का मूल उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना- कुलपति

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच आज एमओयू हस्ताक्षरित किये गए। बौद्ध और भारतीय ज्ञान के पुनर्स्थापन पर काम कर रहे सांची विश्वविद्यालय और वैश्विक शोध, शोध प्रविधि, नवाचारी तकनीक और भारतीय विचार के पोषण पर काम कर रहे रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउडेशन के बीच उक्त करार पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा ए गुप्ता और आरएफआर फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ सच्चिदानंद जोशी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल के सह संगठन मंत्री संकरानंद जी, ट्रस्टी प्रो उन्नत सी पंडित और प्रांत मंत्री श्री सुरेश गोहे भी मौजूद रहे। भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा स्थापित उक्त फाउंडेशन विभिन्न शोध संस्थानों एवं रिसर्च को जमीनी धरातल पर उतारने की दिशा में काम करता है। सांची विश्वविद्यालय के साथ मिलकर फाउंडेशन सेमीनार, वर्कशॉप एवं एमफिल, पीएचडी, स्नातकोत्तर एवं अन्य कार्यक्रमों में भारतीय शोध प्रविधियों के उन्नयन पर काम करेगा। साथ ही दोनों मिलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। इस अवसर पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय का मूल उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना है और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के साथ यह कार्य एक से बढ़कर ग्यारह हो जाएगा। आरएफआरएफ के चेरयमैन और आईसीपीआर के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी ने दोनों संगठनों द्वारा शोध की दिशा में नए आयाम गढ़ने की उम्मीद जताई।

पत्रिका
भोपाल, मंगलवार, 29 जून 2021

सांची यूनिवर्सिटी और रिसर्जेंस फाउंडेशन करेंगे शोध पर काम

दोनों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

रायसेन/सांची. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन अब मिलकर नई तकनीकों और शोध पर काम करेंगे। दोनो के बीच सोमवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बौद्ध और भारतीय ज्ञान के पुनर्स्थापन पर काम कर रहे सांची विश्वविद्यालय और वैश्विक शोध, शोध प्रविधि, नवाचारी तकनीक और भारतीय विचार के पोषण पर काम कर रहे रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउडेशन के बीच उक्त करार पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा ए गुप्ता और आरएफआर फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ सच्चिदानंद जोशी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल के सह संगठन मंत्री संकरानंद जीए ट्रस्टी प्रो. उन्नत सी पंडित और प्रांत मंत्री सुरेश गोहे मौजूद रहे। भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा स्थापित उक्त फाउंडेशन विभिन्न शोध संस्थानों एवं रिसर्च को धरातल पर उतारने की दिशा में काम करता है। सांची विश्वविद्यालय के साथ मिलकर फाउंडेशन सेमीनार, वर्कशॉप एवं एमफिल, पीएचडी, स्नातकोत्तर एवं अन्य कार्यक्रमों में भारतीय शोध प्रविधियों के उन्नयन पर काम करेगा।

साथ ही दोनों मिलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। इस अवसर पर डॉ. नीरजा गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय का मूल उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना है और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के साथ यह कार्य एक से बढ़कर ग्यारह हो जाएगा। फाउंडेशन के चेरयमैन और आइसीपीआर के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने दोनों संगठनों द्वारा शोध की दिशा में नए आयाम गढ़ने की उम्मीद जताई।

दैनिक भास्कर
रायसेन 29-06-2021

नवाचार • सांची विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

अब विवि में शोध और नवाचारी तकनीक पर होगा काम

भास्कर संवाददाता | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। बौद्ध और भारतीय ज्ञान के पुनर्स्थापना पर काम कर रहे सांची विश्वविद्यालय और वैश्विक शोध, शोध प्रविधि, नवाचारी तकनीक और भारतीय विचार के पोषण पर काम कर रहे रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच उक्त करार पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा ए गुप्ता और आरएफआर फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ सच्चिदानंद जोशी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल के सह संगठन मंत्री संकरानंदजी, ट्रस्टी प्रो उन्नत सी पंडित और प्रांत मंत्री सुरेश गोहे भी मौजूद रहे। भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा स्थापित उक्त फाउंडेशन विभिन्न शोध संस्थानों एवं रिसर्च को जमीनी धरातल पर उतारने की दिशा में काम करता है। सांची विश्वविद्यालय के साथ मिलकर फाउंडेशन सेमीनार, वर्कशॉप एवं एमफिल, पीएचडी, स्नातकोत्तर एवं अन्य कार्यक्रमों में भारतीय शोध प्रविधियों के उन्नयन पर काम करेगा। साथ ही दोनों मिलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। इस अवसर पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय का मूल उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना है और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के साथ यह कार्य एक से

बढ़कर ग्यारह हो जाएगा। आरएफआरएफ के चेयरमैन और आईसीपीआर के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी ने दोनों संगठनों द्वारा शोध की दिशा में नए आयाम गढ़ने की उम्मीद जताई।

48 करोड से बनेगा विश्वविद्यालय का भवन, बौद्ध विश्वविद्यालय के भवन निर्माण को मिली प्रशासकीय मंजूरी

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के भवन निर्माण को मध्य प्रदेश सरकार ने प्रशासकीय मंजूरी दे दी है। सांची विश्वविद्यालय को मध्य प्रदेश शासन ने रायसेन जिले में सांची स्तूप के नजदीक 120 एकड़ जमीन आवंटित की थी । उसी पर विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाना है। संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आदेश में उल्लेख किया गया है कि विश्वविद्यालय के भवन निर्माण और अधोसंरचना विकास के लिए प्रथम चरण में मध्यप्रदेश सरकार ने 48 करोड़ 18 लाख रुपये आवंटित कर दिए हैं।

उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना मकसद

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन में एमओयू

पीपुल्स संवाददाता • सांची

मो.नं. 8109907109

बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच आज एमओयू हस्ताक्षरित किए गए। बौद्ध और भारतीय ज्ञान के पुनर्स्थापन पर काम कर रहे सांची विश्वविद्यालय और वैश्विक शोध, शोध प्रविधि, नवाचारी तकनीक और भारतीय विचार के पोषण पर काम कर रहे रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच उक्त करार पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीरजा ए गुप्ता और आरएफआर फाउंडेशन के

चेयरमैन डॉ सच्चिदानंद जोशी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सह संगठन मंत्री संकरानंद, ट्रस्टी प्रो. उन्नत सी पंडित और प्रांत मंत्री सुरेश गोहे भी मौजूद रहे। उक्त फाउंडेशन विभिन्न शोध संस्थानों एवं रिसर्च को धरातल पर उतारने की दिशा में काम करता है।

सांची विश्वविद्यालय का मूल उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना : कुलपति

स्टार समाचार | रायसेन

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के बीच आज एमओयू हस्ताक्षरित किये गए। बौद्ध और भारतीय ज्ञान के पुनर्स्थापन पर काम कर रहे सांची विश्वविद्यालय और वैश्विक शोध, शोध प्रविधि, नवाचारी तकनीक और भारतीय विचार के पोषण पर काम कर रहे रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउडेशन के बीच उक्त करार पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा ए गुप्ता और आरएफआर फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ सच्चिदानंद जोशी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल के सह संगठन मंत्री संकरानंद जी, ट्रस्टी प्रो उन्नत सी पंडित और प्रांत मंत्री सुरेश गोहे भी मौजूद रहे। भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा स्थापित उक्त फाउंडेशन विभिन्न शोध संस्थानों एवं रिसर्च को जमीनी धरातल पर उतारने की दिशा में काम करता है। सांची विश्वविद्यालय के साथ मिलकर फाउंडेशन सेमीनार, वर्कशॉप एवं एमफिल, पीएचडी, स्नातकोत्तर एवं अन्य कार्यक्रमों में भारतीय शोध प्रविधियों के उन्नयन पर काम करेगा। साथ ही दोनों मिलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे। इस अवसर पर सांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ नीरजा गुप्ता ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय का मूल उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देना है और रिसर्च एंड रिसर्जेंस फाउंडेशन के साथ यह कार्य एक से बढ़कर ग्यारह हो जाएगा।